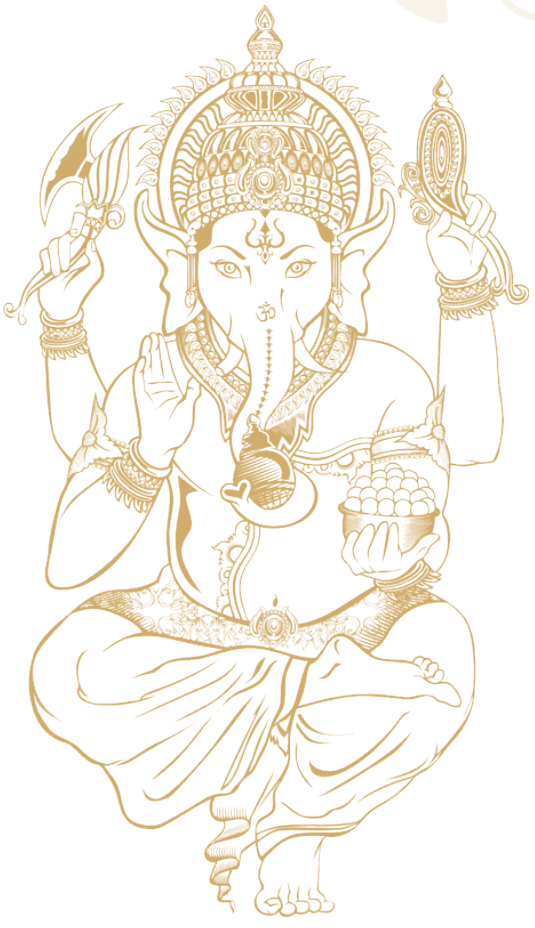

K.k.gupta

Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121121310

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18-19/02/1999	जन्म तिथि	17/08/1998
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	06:05:00 घंटे
घटी 58:43:05	जन्म समय(घटी)	01:33:14 घटी
India	देश	India
Maharajganj	स्थान	Gorakhpur
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:34:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:04:16	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:45	सूर्योदय	05:28:56
17:49:40	सूर्यास्त	18:31:43
23:50:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:09

विंशोत्तरी शनि 7वर्ष 0मा 14दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 4वर्ष 2मा 27दि
केतु	25:23:51	मक	लग्न	सिंह	07:08:15	गुरु
05/03/2023	06:03:43	कुंभ	सूर्य	सिंह	00:05:26	12/11/2020
05/03/2030	11:43:35	मीन	चंद्र	वृष	28:35:20	12/11/2036
केतु 01/08/2023	14:17:48	तुला	मंगल	कर्क	03:43:22	गुरु 31/12/2022
शुक्र 01/10/2024	17:48:57	कुंभ	बुध व	कर्क	24:49:49	शनि 14/07/2025
सूर्य 05/02/2025	07:28:49	मीन	गुरु व	मीन	02:47:54	बुध 20/10/2027
चन्द्र 07/09/2025	02:38:42	मीन	शुक्र	कर्क	10:36:25	केतु 25/09/2028
मंगल 03/02/2026	05:14:32	मेष	शनि व	मेष	09:47:28	शुक्र 27/05/2031
राहु 21/02/2027	28:17:27	कर्क व	राहु व	सिंह	07:39:28	सूर्य 14/03/2032
गुरु 28/01/2028	28:17:27	मक व	केतु व	कुंभ	07:39:28	चन्द्र 14/07/2033
शनि 08/03/2029	19:53:52	मक	हर्ष व	मक	16:23:23	मंगल 20/06/2034
बुध 05/03/2030	09:02:02	मक	नेप व	मक	06:18:16	राहु 12/11/2036
	16:30:15	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:27:38	

लग्न-चलित

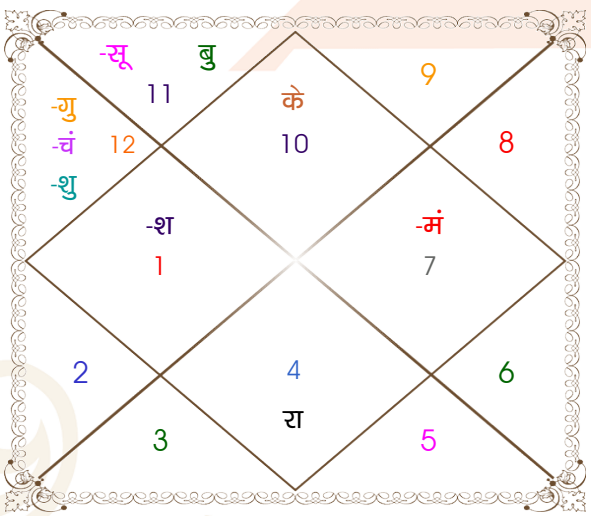

लग्न-चलित

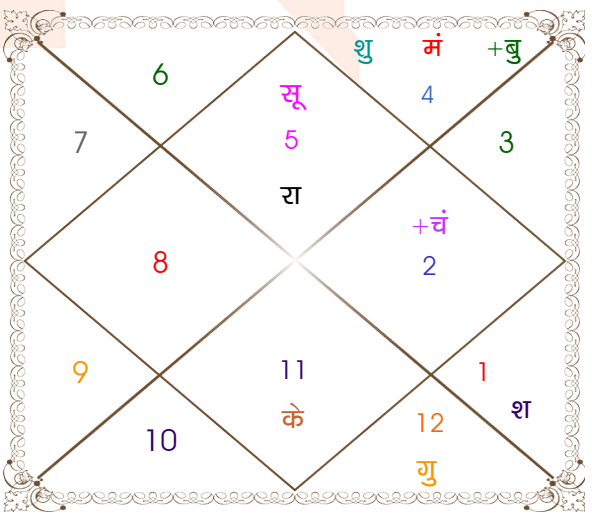

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि श्रलवजप का नक्षत्र मृगशिरा है।

K.k.gupta का वर्ग सिंह है तथा श्रलवजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार K.k.gupta और श्रलवजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

K.k.gupta मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

श्रलवजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल श्रलवजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल श्रलवजप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

K.k.gupta तथा श्रलवजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।